पृष्ठ : 16 ■ वर्ष : 19 अंक : 299 ■ लखनऊ, रविवार, 22 नवंबर 2026 ■ www.vishwavarta.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

विश्ववार्ता

मूल्य ₹4

उत्तरप्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित

बागवान इस माह करें आम के बागों की देखभाल

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता उद्यान संकाय एवं निदेशक प्रसार प्रो. (डॉ.) विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस समय आम के पेड़ ऊपर से नीचे की तरफ सूख रहे होते हैं या उनके तनों से गोंद निकलने की समस्या हो तो इस महीने में आप उस पेड़ की सूख रही शाखाओं को सूखे भाग के साथ-साथ 20-25 सेमी. हरी शाखा को भी काटकर हटा दें और काटे भाग पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का लेप लगा दें। साथ ही पेड़ पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की 5 ग्राम मात्रा या थायोफेनेट मिथाइल की 3-4 ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। पेड़ के नीचे चारों तरफ 100 ग्राम कॉपर सल्फेट, 100 ग्राम बोरेक्स और 100 ग्राम जिंक सल्फेट, 5 किलोग्राम गोबर की खाद (जिसमें ट्राइकोडर्मा मिला हो) डालकर मिट्टी में मिला दें।

प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि इसी समय पौधों पर आप देखेंगे कि उनकी पत्तियों पर दो से तीन मिलीमीटर के सफेद या भूरे रंग के धब्बे दिखाई दे रहे होते हैं जो मैंगो स्केल कीट के कारण होते हैं। यह कीट



पौधे की पत्तियों पर चिपक कर रस चूसते हैं जो दूर से धब्बे जैसे दिखाई पड़ते हैं। संक्रमण बढ़ने पर पूरी पत्ती पीली पड़ कर गिर जाती है, जिससे उपज प्रभावित होती है। इसके साथ ही व्हाइट मैंगो स्केल कीट भी इसी समय पौधों पर आक्रमण करता है जो पत्तियों पर सूटी मोल्ड फफूंद के विकास का कारण बनता है।

इससे पौधों को बचाने के लिए डाइमेथोएट 30 ईसी की दो मिलीलीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% की 3 से 5 मिलीलीटर या थायमेथॉक्सम 25 डब्ल्यूडीजी की एक ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

कानपुर महानगर
वर्ष : 10 पृष्ठ : 10
अंक : 253
मूल्य : 02.00/-
कानपुर 22-11-2026, रविवार

हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र हित
सच जन जन तक

इस माह आम के बागों की करें देखभाल, फरवरी-मार्च में मिलेगी बेहतर फलत

- सूखती शाखाओं को काटकर लगाएं कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का लेप, स्केल कीट से बचाव के लिए छिड़काव जरूरी

स्वतंत्र हित संवाददाता



कानपुरः आम के बागवान इस माह पेड़ों की देखभाल और रोगों से बचाव पर विशेष ध्यान दें, जिससे आने वाले फरवरी-मार्च में बेहतर फलत प्राप्त हो सके। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता उद्यान संकाय एवं निदेशक प्रसार प्रो. (डॉ.) विवेक कुमार त्रिपाठी ने बागवानों को आम के पेड़ों में होने वाली बीमारियों और कीटों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि यदि आम के पेड़ ऊपर से नीचे की ओर सूख रहे हों या तनों से गोंद निकल रहा हो तो सूखी शाखाओं को काटते समय 20-25 सेंटीमीटर तक स्वस्थ हिस्सा भी हटाएं। कटे स्थान पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का लेप लगाएं। पेड़ पर पांच ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड अथवा तीन से चार ग्राम थायोफेनेड मिथाइल को एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। पेड़ के चारों ओर 100 ग्राम कॉपर सल्फेट, 100 ग्राम बोरेक्स, 100 ग्राम जिंक सल्फेट और ट्राइकोडर्मा युक्त पांच किलो गोबर की खाद मिट्टी में मिलाएं। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि इस समय मैंगो स्केल और व्हाइट मैंगो स्केल कीट भी सक्रिय होते हैं। ये पत्तियों का रस चूसकर पौधों को कमजोर करते हैं। इनके प्रकोप से पत्तियां पीली होकर गिरने लगती हैं तथा सूटीमोल्ड की वजह से पत्तियों पर काली परत जम जाती है, जिससे प्रकाश संश्लेषण प्रभावित होता है। बचाव के लिए डाइमेथोएट 30 ईसी दो मिलीलीटर, इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत तीन से पांच मिलीलीटर अथवा थायमेथॉक्सम 25 डब्ल्यूडीजी एक ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जरूरत के अनुसार 15 दिन के अंतराल पर उपचार करने से बाग स्वस्थ रहेंगे और उत्पादन बेहतर होगा।